स्वयं-सेवा सहायता-बल

- एक मृत्यु-निश्चित रोग वाले व्यक्ति की देख-रेख करना अत्यधिक भावात्मक तथा शारिरिक थकान दायक हो सकता है। स्वयं-सेवा कर्मचारी देख-रेख करने वालों को सक्रिय सहायता तथा भावात्मक सहायता-वल देते हैं।

- आप कैसे सहायता दे सकते हैं इसके विषय में अधिक जानकारी के लिए अपनी स्थानीय पालियेटिव देख-रेख सेवा के साथ सपर्क करें।

यदि आप अच्छी तरह अंग्रेज़ी नहीं बोलते तो क्या ?

पालियेटिव देख-रेख दल आपकी संस्कृति तथा भाषा के विषय में संवेदनशील है। कृपया एक दुभाषिये की मांग करने से न झिझकें। आप एक योग्यता-प्राप्त दुभाषिये का या एक परिवारिक सदस्य का प्रयोग कर सकते हैं।

सहायता या जानकारी की मांग किस से करें

- आपका इलाज करने वाला डाकटर।
- आपकी निकटिय पालियेटिव देख-रेख सेवा।

Palliative Care Australia Inc gratefully acknowledges the financial assistance of the Commonwealth Department of Health and Aged Care. However the views expressed are those of PCA and may not represent those of the Commonwealth.

Design concept courtesy of the Palliative Care Council of South Australia and Palliative Care Victoria

Palliative Care Australia

पालियाटिव देख-रेख

राहत
आराम
सहायता

एक मृत्यु-निश्चित रोगी प्रिय व्यक्ति की देख-रेख करना।

पालियेटिव देख-रेख क्या है ?

पालियेटिव देख-रेख उन लोगों के लिए सहायता-बल है जो ऐसे रोग का शिकार है जिस के इलाज की आशा नही हो।

पालियेटिव देख-रेख का लक्ष्य यह है कि एक रोगी के जीवन को अधिक से अधिक उत्तम बनाए रखा जाए। इस की प्राप्ति देख-रेख पाने वाले तथा देख-रेख सेवा देने वाले की आवश्यकताओं के उत्तर मे ताल-मेल तथा कई एक प्रकार की सेवाओं को प्रदान करने से की जाती है।

यह स्वीकार किया जाता है कि कई प्रकार की समस्याओंकी तरफ ध्यान देने की आवश्यकता होती है जिन मे शारीरिक, भावनातमक, सामाजिक तथा धार्मिक आदि शामिल है।

कहा ?

पालियेटिव देख-रेख जहां भी सभव हो वहां पर दी जाती है जहां रोगी चाहते हों। यह इन स्थानों मे खी जा सकती है -

- व्यक्ति के अपने घर मे।
- सेवाश्रम [होसपाईस] मे।
- हस्पताल मे।
- नर्सिन होम मे।

परिवार, सम्बन्धी तथा मित्र प्रथम देख-रेख करने वाले होते है। पेशेवर सहायता पालियेटिव देख-रेख दल से आ सकती है।

पालियेटिव देख-रेख एक *दल (टीम)* परिश्रम है

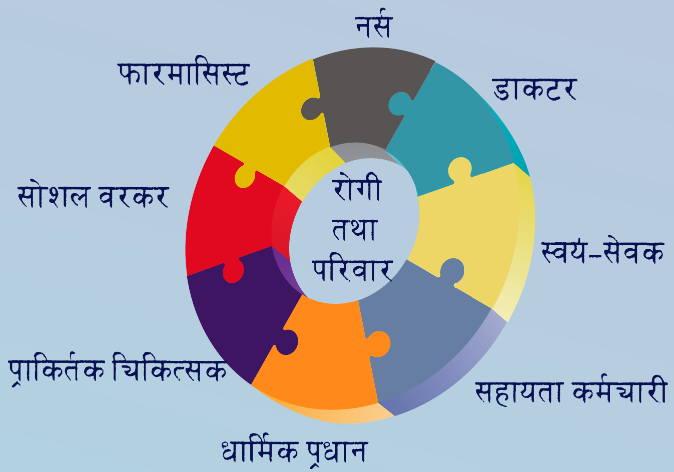

यदि मै पीड़ा मे हू तो क्या यह आसान हो सकती है ?

लगभग सभी परिस्थितियों मे कई प्रकार की पीड़ा-मार तथा अन्य नशीली दवाइयों, मालिश, ध्यानमग्न, आरोमा-थैरापी, ऐक्युपंचर तथा रेडियोथैरापी - जहां उचित हो- के प्रयोग से पीड़ा से राहत प्राप्त की जा सकती है।

आधुनिक प्रगति पीड़ा-मार नशीली दवइयों मे धीमी-छूट मोरफीन गोलियां तथा त्वचा-पैच आदि शामिल है।

एक सेवाश्रम (होसपाईस) क्या है ?

एक स्थान जो मृत्यु-निश्चित रोगीयों की देख-रेख देने के लिए समर्पित है - जिसमें विशेषता से शिक्षित डाकटर, नर्स, सामाजिक कर्मचारी, फीजियो- थैरापि तथा स्वयं-सेवक होते है जो रोगी तथा परिवार को पूर्ण देख -रेख देते है जिसमें शारिरिक, भावनात्मक तथा धार्मिक सहायता- बल शामिल है।